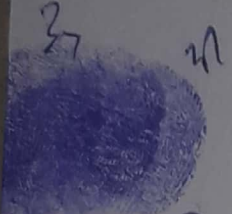


15 ¹²/₁₆

पत्रिका वल्लभा कृत जाल, जयपुर ३१.५५
पत्रिका दिनेन २३-५-१) का पत्रिका



दलीपसिंह

23 ¹/₁

पत्रिका वल्लभा, जयपुर ३१.५५
पत्रिका दिनेन २३/५/१) का पत्रिका

२) ^२/_१) श्रीमन्मन्त्रालय फरिक्का उभयतः श्रीमान् पीठासीन
अभिजातीय महोदय वल्लभाकरण अधिन है आयन्दा
पत्रिकावली पूर्वादेश का पालना में दिनांक २५-५-१)
को पेश दो

१५
वल्लभा

२-५-१) श्रीमन्मन्त्रालय फरिक्का उभयतः श्रीमान् पीठासीन
अभिजातीय महोदय वल्लभाकरण अधिन है आयन्दा
पत्रिकावली पूर्वादेश का पालना में दिनांक ३०-६-१)
को पेश दो

३
दलीपसिंह

३०-६-१) आकर पत्रिका के पत्रिका के फरिक्का प्रार्थी का
युक्त वल्लभा विवेक हो चुका है प्रकृत ३१.५५ का आगे
कार्य उभयतः नही है, जयपुर पत्रिका का ३१.५५ स्थिति
किन्तु पत्रिका वल्लभा नभक्त से प्रकृत प्रकृत
दलीप वल्लभा का जयपुर विवेक के पत्रिका के फरिक्का
स्थिति जयपुर/



दलीपसिंह



दलीप